

## Regarding request for leniency towards youth involved in Ladakh incident

श्री मोहम्मद हनीफ़ा (लद्दाख) : शुक्रिया ऑनरेबल सर, पिछले कई सालों से लद्दाख की अवाम यूटी सेट अप से नाखुश होकर अपने मुस्तकबिल को महफूज बनाने के लिए जम्हूरी सेट-अप और कांस्टीट्यूशनल सेफगार्ड्स की मांग पुरअमन तरीके से की जा रही है । सर, 26 अक्टूबर को जो वाकया वहाँ पर हुआ, वह इसी बेचैनी का नतीजा है । लद्दाख की तारीख में पहली बार ऐसा वाकया हुआ है । बदकिस्मती से लद्दाख की अवाम को इस वाकये को बेरूनी अनासिर जोड़ने की कोशिश की गई है । हालांकि लद्दाख के लोग हमेशा से अमन पसंद और पुरखुलूस समझे जाते हैं । लद्दाख के लोग बिलखुसूस, हुब्बुलवतनी और देशभक्त हैं और उन्होंने मुल्क के लिए बेशुमार कुर्बानियां दी हैं । पिछले कई सालों से लद्दाख के जो नौजवान तबके हैं, खुसूसन तालीमयाफ़ता नौजवान जिन्होंने अपनी आधी जिंदगी पढ़ने में लगा दी है । हालिया सालों में पिछली बेरोजगारी और बेकारी से बहुत मायूस थे । आज लद्दाख में ग्रेजुएट बेरोजगार पूरे मुल्क में सबसे ज्यादा हैं ।

सर, 26 अक्टूबर को लद्दाख में जो वाकया हुआ, वह हमारे लिए भी एक अल्मनाक सानिहा था । वह बस नौजवानों की जो झुंझलाहट थी, उनकी परेशानी थी, इसके पीछे किसी किस्म का गलत इरादा नहीं था, बल्कि बहुत से नौजवान, बहुत से लोग जो अनजाने में या जज़्बात में आकर इस हुजूम का हिस्सा बन गए । इन पर मुखतलिफ सैक्शंस में मुकदमें दर्ज किए गए हैं । बहुत से लोग आज भी जेलों में बंद हैं, कुछ जमानत पर बाहर हैं, लेकिन थानों के चक्कर काट रहे हैं । मैं ऑनरेबल होम मिनिस्टर साहब से अपील करता हूँ कि जिन लोगों पर मुकदमा दर्ज किए गए हैं, जो लोग जेल में हैं और जमानत पर बाहर हैं, इन्हें भी एक हीलिंग टच की तरह, जैसे कि दूसरी कई रियासतों में इससे भी संगीन हालात में रियायत दी गई है, इस तरह इन मुकदमात को भी एक बार के खुसूसी इकदाम के तहत खत्म किया जाए । सोनम वांगचुक एक अमन पसंद और..... (व्यवधान)

جناب محمد حنيفه لداخ ، شكريه آنريل سر ، پچھلے كئی سالوں سے لداخ كی عوام يوٹی سيٹ] اپ سے ناخوش ہو کر اپنے مستقبل کو محفوظ بنانے کے لئے جمہوری سيٹ سيٹ اپ اور كانسٹیٹوشنل سيف گارڈس کی مانگ پر امن طريقے سے کی جا رہی ہے۔ سر 26 اوب رپ ابو معق او وج وکروبتکا یک خادل - ے ب جيتناکی نيچے بسا دو ا رابی لهیں يم خيراتيسا واقعہ ہوا ہے۔ بد قسمتی سے لداخ کی عوام کو اس واقعہ کو بیرونی عناصر سے جوڑنے کی کوشش کی گئی ہے۔ حالانکہ لداخ کے لوگ ہمیشہ سے امن پسند اور پر خلوص سمجھے جاتے ہیں۔ لداخ کے لوگ بالخصوص حب الوطن اور ديش بھکت ہوتے ہیں انہوں نے ملک کے لئے بے شمار قربانیاں دیں ہیں۔ پچھلے كئی سالوں سے لداخ کے جو نوجوان طبقے ہیں خصوصاً تعليم یافتہ نوجوان جنہوں نے اپنی اپنی آدھی زندگی پڑھنے میں لگا دی ہے۔ حالیہ سالوں میں پھیلی بی روزگاری اور بے کاری سے بہت مایوس تھے۔ آج لداخ میں گریجویٹ بے روزگار پورے ملک میں سب سے زیادہ ہیں۔

جناب 26 اکتوبر کو لداخ میں جو واقعہ ہوا وہ ہمارے لئے بھی ایک المناک سانحہ تھا۔ وہ بس نوجوانوں کی جھنجھلاہٹ تھی ، ان کی پریشانی تھی ، اس کے پیچھے کسی قسم کا غلط ارادہ نہیں تھا ، بلکہ بہت سے نوجوان بہت سے لوگ جو انجانے میں یا جذبات میں آ کر اس ہجوم کا حصہ بن گئے۔ ان پر بہت سے سیکشن میں مقدمات درج کیے گئے ہیں ، بہت سے لوگ آج بھی جیلوں میں بند ہیں ، کچھ لوگ ضمانت پر باہر ہیں ، لیکن تھانوں کے چکر کاٹ رہے ہیں۔ میں آنریبل ہوم منسٹر صاحب سے اپیل کرتا ہوں کہ جن لوگوں پر مقدمات درج کئے گئے ہیں ، جو لوگ جیل جیسے کی دوسری کئی ریاستوں **Healing Touch** میں ہیں اور ضمانت پر باہر ہیں ، انہیں بھی

اس سے بھی سنگین حالات میں رعایت دی گئی ہیں ، اس طرح ان مقدمات کو بھی ایک بار کے خصوصی اقدام

[....] کے تحت ختم کیا جائے سونم وانگ چک ایک امن پسند اور ( مداخلت

سر، मेरी मांग है यह है कि एक तो जो नौजवान तबके हैं, जिनको जेलों में बंद किया गया है, उनको रिहा किया गया है, उनके मकदमों को खत्म किया जाए। सर, 24 तारीख की उस घटना में चार नौजवानों की जानें चली गई हैं। वे बहुत ही गरीब तबके के लोग हैं। उनके घर आज बिल्कुल सदमें में हैं। उनके घरों को कंपनसेट किया जाए। (व्यवधान)

<image: image003.jpg>

माननीय सभापति : धन्यवाद, अब आपने अपनी बात रख ली है।